



सरकारी गजट, उत्तरांचल

उत्तरांचल सरकार द्वारा प्रकाशित

असाधारण

विधायी परिशिष्ट

भाग-1, खण्ड (क)

(उत्तरांचल अधिनियम)

देहरादून, रविवार, 16 जून, 2002 ई0

ज्येष्ठ 26, 1924 शक सम्वत्

उत्तरांचल शासन

विधायी एवं संसदीय कार्य विभाग

संख्या 216/विधायी एवं संसदीय कार्य/2002

देहरादून, 19 जून, 2002

अधिसूचना

विविध

“भारत का संविधान” के अनुच्छेद 200 के अधीन राज्यपाल महोदय ने उत्तरांचल विधान सभा द्वारा पारित उत्तरांचल विनियोग विधेयक, 2002 में दिनांक 16 जून, 2002 को अनुमति प्रदान की और वह उत्तरांचल अधिनियम संख्या 05 सन् 2002 के रूप में सर्व-साधारण की सूचनार्थ इस अधिसूचना द्वारा प्रकाशित किया जाता है।

उत्तरांचल विनियोग अधिनियम, 2002

(अधिनियम संख्या-05 सन् 2002)

31 मार्च, 2003 ई0 को समाप्त होने वाले वर्ष में व्यय के लिये राज्य की समेकित निधि में से कतिपय धनराशियों के भुगतान और विनियोग का प्राधिकार देने की व्यवस्था के लिये

अधिनियम

भारत गणराज्य के तिरपनवें वर्ष में निम्नलिखित अधिनियम बनाया जाता है:-

1. यह अधिनियम उत्तरांचल विनियोग अधिनियम, 2002 कहा जायेगा।

संक्षिप्त नाम

उत्तरांचल की
समेकित निधि में
से वर्ष 2002-
2003 के लिए
5840,01,38,000
रुपये का दिया
जाना

2. ऐसे विविध परिव्यय चुकाने के निमित्त जो 31 मार्च, 2003 को समाप्त होने वाले वर्ष के भीतर अनुसूची के स्तम्भ-2 में दी हुई सेवाओं और प्रयोजनों के सम्बन्ध में देने पड़ेंगे, उत्तरांचल की समेकित निधि में से इतना रुपया दिया और काम में लाया जा सकता है जो [अनुसूची के स्तम्भ-3 में दी हुई धनराशियों से, जिन सबका कुल योग उत्तरांचल विनियोग (लेखानुदान) अधिनियम, 2002 (उत्तरांचल अधिनियम संख्या-02 सन् 2002) की अनुसूची के स्तम्भ-7 से 10 में निर्दिष्ट धनराशियों को सम्मिलित करके)] 5840,01,38,000 रुपये (पांच हजार आठ सौ चालीस करोड़, एक लाख, अड़तीस हजार रुपये मात्र) होता है, अधिक न हो।

विनियोग

3. इस अधिनियम द्वारा उत्तरांचल की समेकित निधि में से, जिन धनराशियों को देने और काम में लाने का अधिकार दिया गया है, उनका विनियोग 31 मार्च, 2003 को समाप्त होने वाले वर्ष के सम्बन्ध में उन्हीं सेवाओं और प्रयोजनों के लिये किया जायेगा जो अनुसूची में दिये गये हैं।

अनुसूची
(धारायें 2 और 3 देखें)

अनुदान/ क्रम संख्या	सेवायें और प्रयोजन	निम्नलिखित धनराशियों से अनाधिक (हजार रुपयों में)		
		विधान सभा द्वारा स्वीकृत	राज्य की समेकित निधि पर भारित	योग
1	2	3		
1.	विधान सभा	राजस्व 56448	5246	61694
		पूँजी —	—	—
2.	राज्यपाल	राजस्व —	27429	27429
		पूँजी —	—	—
3.	मंत्रि परिषद	राजस्व 44701	—	44701
		पूँजी —	—	—
4.	न्याय प्रशासन	राजस्व 308488	99862	408350
		पूँजी 265000	—	265000
5.	निर्वाचन	राजस्व 78850	—	78850
		पूँजी —	—	—
6.	राजस्व एवं सामान्य प्रशासन	राजस्व 1282233	21	1282254
		पूँजी 128500	—	128500
7.	वित्त, कर, नियोजन, सचिवालय तथा अन्य सेवायें	राजस्व 5894280	6119862	12014142
		पूँजी 627346	6166848	6794194
8.	आबकारी	राजस्व 27737	—	27737
		पूँजी 10000	—	10000
9.	लोक सेवा आयोग	राजस्व 17468	—	17468
		पूँजी 10000	—	10000
10.	पुलिस एवं जेल	राजस्व 2010894	10	2010904
		पूँजी 119830	—	119830
11.	शिक्षा, खेल एवं युवा कल्याण तथा संस्कृति	राजस्व 9703982	15	9703997
		पूँजी 234709	—	234709
12.	चिकित्सा एवं परिवार कल्याण	राजस्व 2118613	—	2118613
		पूँजी 478207	—	478207

1	2	3		
13.	जलापूर्ति, आवास एवं नगर विकास	राजस्व	2633362	—
		पूँजी	125000	—
14.	सूचना	राजस्व	95386	—
		पूँजी	—	—
15.	कल्याण योजनायें	राजस्व	1655021	—
		पूँजी	254882	—
16.	श्रम और रोजगार	राजस्व	316125	—
		पूँजी	21600	—
17.	कृषि कर्म एवं अनुसन्धान	राजस्व	2427605	2003
		पूँजी	31746	—
18.	सहकारिता	राजस्व	108541	—
		पूँजी	54540	—
19.	ग्राम्य विकास	राजस्व	1700083	—
		पूँजी	168669	—
20.	सिंचाई एवं बाढ़	राजस्व	1590073	—
		पूँजी	371170	—
21.	ऊर्जा	राजस्व	1452243	—
		पूँजी	707000	—
22.	लोक निर्माण कार्य	राजस्व	1584784	10405
		पूँजी	2773605	—
23.	उद्योग	राजस्व	254271	—
		पूँजी	668267	—
24.	परिवहन	राजस्व	202172	—
		पूँजी	268759	—
25.	खाद्य	राजस्व	147858	—
		पूँजी	1387	—
26.	पर्यटन	राजस्व	222975	—
		पूँजी	211810	—
27.	वन	राजस्व	2079971	1198
		पूँजी	3503	—
28.	पशुपालन सम्बन्धी कार्य	राजस्व	403276	60
		पूँजी	14209	—
योग			45967179	12432959
				58400138

आज्ञा से,
(आर० पी० पाण्डेय)
सचिव।